an>

Title: Need to extend Bundelkhand region like benefits to Ghatampur, Musanagar and Pukhrayan areas along river Yamuna in Akbarpur Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर) ः मेरे निर्वाचन क्षेत्र अकबरपुर (उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर की चार विधान सभाएं- कल्याणपुर, महाराजपुर, घाटमपुर, बिठूर एवं कानपुर देहात जनपद की अकबरपुर रनियां विधान सभा सम्मिलित है। लोक सभा का क्षेत्र मां गंगा नदी के बिठूर से होकर दक्षिणी सीमा में यमुना नदी से सीमांकित होता है। दोनों नदियों के बीच के क्षेत्र में कानपुर नगर एवं कानपुर देहात जनपदों का अधिकांश भाग उबड़-खाबड़, पठारी, अनुपजाऊ एव यमुना नदी के किनारे का क्षेत्र बीहड़ के रूप में है। इस क्षेत्र की सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं वनस्पतिक स्थितियां बुन्देलखण्ड जैसी हैं इसलिए उत्तर प्रदेश के सीलिंग एक्ट में यमुना की गहरी धारा से 16 किलोमीटर तक उत्तर की ओर जोत सीमा का निर्धारण बुन्देलखण्ड के समान निर्धारित करने का प्रावधान किया गया है, जिससे स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने भी इस क्षेत्र को बुंदेलखण्ड जैसा माना है, परंतु अत्यंत खेद का विषय है कि बुंदेलखण्ड जैसी परिस्थितियों को नज़रअंदाज करते हुए अभी तक घाटमपुर, मूसानगर एवं पुखरायां क्षेत्र को बुंदेलखण्ड जैसी सुविधाओं से वंचित रखा गया है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से आग्रह है कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र अकबरपुर के घाटमपुर, मूसानगर एवं पुखरायां आदि क्षेत्र जो यमुना नदी के किनारे से बुंदेलखण्ड क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, परंतु इन्हें बुंदेलखण्ड जैसी सुविधाओं से परिपूर्ण किये जाने की आवश्यकता को देखते हुए उचित कदम उठाये जाएं जिससे इस क्षेत्र के निवासियों को इसका लाभ मिल सके।